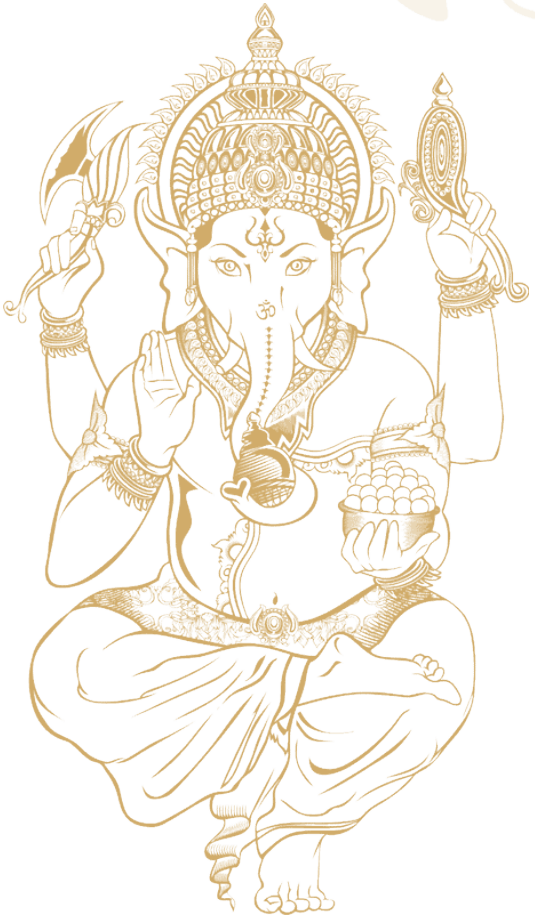

Aashay

01 Feb 1999

11:29 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121621603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/02/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:29:30 घंटे**
इष्ट	41:58:07 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:33:02 घंटे
वेलान्तर	-00:13:33 घंटे
साम्पातिक काल	08:19:02 घंटे
सूर्योदय	06:42:15 घंटे
सूर्यास्त	17:38:01 घंटे
दिनमान	10:55:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:34:56 मकर
लग्न के अंश	07:00:45 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सौभाग्य
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	07:00:45	316:06:10	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
सूर्य			मक	18:34:56	01:00:52	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	01:57:43	13:15:15	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			तुला	08:37:07	00:22:43	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
बुध		अ	मक	16:48:57	01:42:50	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
गुरु			मीन	03:45:35	00:12:18	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	11:13:43	01:14:40	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि			मेष	03:58:50	00:03:37	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	नीच राशि
राहु			कर्क	28:15:16	00:00:08	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			मक	28:15:16	00:00:08	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	18:54:01	00:03:29	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:24:26	00:02:15	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:11:50	00:01:20	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	08:38:25	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:30

लग्न-चलित

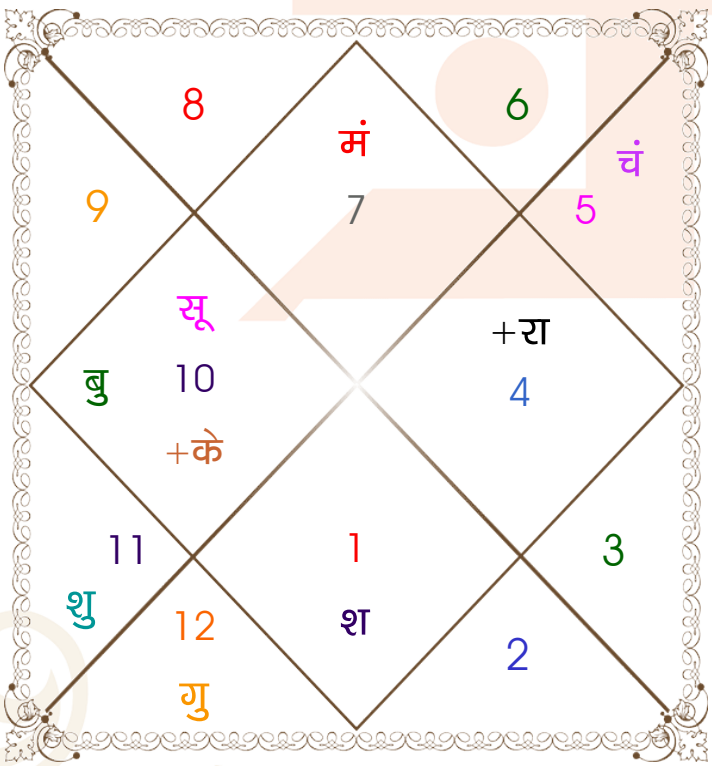

चन्द्र कुंडली

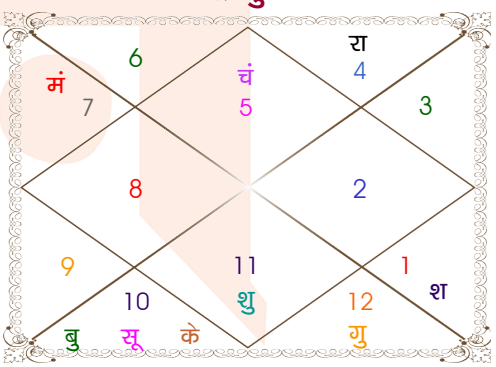

नवमांश कुंडली

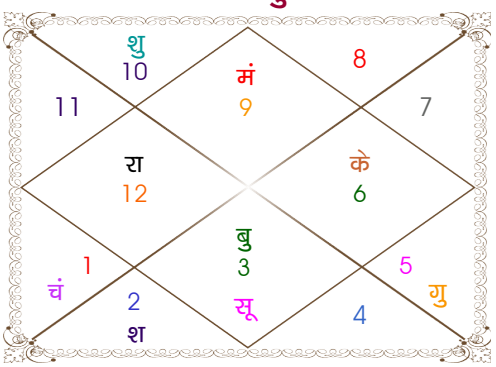

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 11 मास 19 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/02/1999		21/01/2005		21/01/2025		22/01/2031		21/01/2041	
21/01/2005		21/01/2025		22/01/2031		21/01/2041		22/01/2048	
	01/02/1999	शुक्र	23/05/2008	सूर्य	11/05/2025	चंद्र	22/11/2031	मंगल	19/06/2041
शुक्र	20/08/1999	सूर्य	23/05/2009	चंद्र	09/11/2025	मंगल	22/06/2032	राहु	08/07/2042
सूर्य	25/12/1999	चंद्र	22/01/2011	मंगल	17/03/2026	राहु	22/12/2033	गुरु	14/06/2043
चंद्र	25/07/2000	मंगल	23/03/2012	राहु	09/02/2027	गुरु	23/04/2035	शनि	22/07/2044
मंगल	22/12/2000	राहु	23/03/2015	गुरु	28/11/2027	शनि	21/11/2036	बुध	20/07/2045
राहु	09/01/2002	गुरु	21/11/2017	शनि	09/11/2028	बुध	23/04/2038	केतु	16/12/2045
गुरु	16/12/2002	शनि	21/01/2021	बुध	15/09/2029	केतु	22/11/2038	शुक्र	15/02/2047
शनि	25/01/2004	बुध	22/11/2023	केतु	21/01/2030	शुक्र	22/07/2040	सूर्य	23/06/2047
बुध	21/01/2005	केतु	21/01/2025	शुक्र	22/01/2031	सूर्य	21/01/2041	चंद्र	22/01/2048

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
22/01/2048		21/01/2066		21/01/2082		22/01/2101		22/01/2118	
21/01/2066		21/01/2082		22/01/2101		22/01/2118		00/00/0000	
राहु	04/10/2050	गुरु	10/03/2068	शनि	24/01/2085	बुध	21/06/2103	केतु	20/06/2118
गुरु	27/02/2053	शनि	22/09/2070	बुध	04/10/2087	केतु	17/06/2104	शुक्र	02/02/2119
शनि	04/01/2056	बुध	28/12/2072	केतु	12/11/2088	शुक्र	18/04/2107		00/00/0000
बुध	23/07/2058	केतु	04/12/2073	शुक्र	13/01/2092	सूर्य	22/02/2108		00/00/0000
केतु	10/08/2059	शुक्र	04/08/2076	सूर्य	25/12/2092	चंद्र	24/07/2109		00/00/0000
शुक्र	10/08/2062	सूर्य	23/05/2077	चंद्र	26/07/2094	मंगल	21/07/2110		00/00/0000
सूर्य	05/07/2063	चंद्र	22/09/2078	मंगल	04/09/2095	राहु	06/02/2113		00/00/0000
चंद्र	03/01/2065	मंगल	29/08/2079	राहु	11/07/2098	गुरु	15/05/2115		00/00/0000
मंगल	21/01/2066	राहु	21/01/2082	गुरु	22/01/2101	शनि	22/01/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 11 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव के उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखते हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकते हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि के श्रद्धावान हो सकते है। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगे। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहते हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकते हैं।

आप निश्चय पूर्वक धनी होंगे। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगे। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शक नहीं करेंगे कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृति रखते हैं। परंतु आप अपनी पत्नी के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगे। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपनी पत्नी एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगे।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगे। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगे। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरूदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होंगी। आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उदेश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगे। आप अपने अच्छी शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि के प्राणी होंगे।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपक सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृति को उत्पन्न करता है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगे। आप वास्तव में मित्रों के मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।